हाई माल्ट जौ का उत्पादन बढ़ने से बीयर निर्माता कंपनियों की खरीद बढ़ी, जौ के उत्पादन में छह गुणा वृद्धि

श्रीगंगानगर पर बीयर निर्माताओं की नजर

संदीपसिंह धामू. श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर क्षेत्र का जौ बीयर निर्माता कंपनियों की निगाहों पर चढ़ गया है। इन कंपनियों की मांग बढ़ने से जौ बाजार का रुख और किसानों की मानसिकता में जबरदस्त बदलाव महसूस किया जा रहा है। अब किसान परंपरागत की बजाय जौ कि उन किस्मों को तरजीह दे रहा है जिसमें बीयर बनाने का मुख्य कारक माल्ट का प्रतिशत ज्यादा है। अब कंपनियों की जरूरत आस्ट्रेलिया और फ्रांस का आयातित जौ नहीं, बल्कि घरेलू बाजार पूरा करने लगा है। श्रीगंगानगर जिले में जौ उत्पादन का ग्राफ साल-दर-साल ऊंचाइयां नाप रहा है। वर्ष 2004-05 से 07-08 के बीच उत्पादन में छह गुना रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। आपूर्ति व मांग समानांतर बढ़ती जा रही है। प्राइज बूम भी इसके बराबर चल रहा है। *...शेष पेज 4 पर*

दोहरी मांग से बल्ले-बल्ले

घरेलू जरूरत और निर्यात के लिए जौ की दोहरी मांग से किसानों की बल्ले-बल्ले है। परंपरागत किस्म का जौ पशु आहार के लिए दुबई व अन्य खाड़ी देशों में निर्यात हो रहा है। पूर्व में कंपनियां हाइ माल्ट जौ आस्ट्रेलिया व फ्रांस से आयात करती थी। वहां की सरकारों की व्यापार नीति बदलने से स्थानीय बाजार से हाइ माल्ट जौ की मांग बढ़ी। कीमतें बढ़ने से हाइ माल्ट जौ का उत्पादन फायदे की खेती बन गया।

कोलाब्रेटिव फार्मिंग की दस्तक

उत्पादन और विपणन की दृष्टि में भी जनरल माने जाने वाले श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में बीयर कंपनियों की बदौलत कार्पोरेट सेक्टर का 'कोलाब्रेटिव फार्मिंग' फंडा भी खूब लुभा रहा है। पेप्सीको दो साल से जौ की कोलाब्रेटिव फार्मिंग कर रही है। वर्ष 2007 में आठ हजार एकड़ में जौ की कोलाब्रेटिव फार्मिंग हुई। वर्ष 08 में कोलाब्रेटिव फार्मिंग का दायरा 11हजार 21 एकड़ तक पहुंच गया। कई अन्य कंपनियों की भी जौ की कोलाब्रेटिव फार्मिंग के लिए श्रीगंगानगर आने की संभावना है।

हाई माल्ट को प्राथमिकता

बीयर निर्माता कंपनियों की स्थानीय बाजार में खरीद बढ़ने से जौ की हाइ माल्ट वैरायटी (किस्मों) के प्रति किसानों का रुझान बढ़ा है। हाइ माल्ट किस्म आरडी-2035, बीडब्ल्यूआर-28, बीजेएम-315 आदि का बिजान क्षेत्र में फैलाव हुआ है। कभी गेहूं का विकल्प रहा जौ अब प्राथमिकता बन रहा है। मुख्य कारण उत्पादन लागत गेहूं की अपेक्षा कम और भाव बराबर होना है।